अनुक्रमांक.....

नाम.....

# Pre Board Exam Paper 2024

## सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट , पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i- सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों - खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

ii- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

### खण्ड-क

1. (क) फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कृति 'ठुमरी' किस विधा की रचना है? 1

(i) यात्रा-संस्मरण (ii) संस्मरण

(iii) कहानी (iv) रिपोर्ताज

(ख) 'जीवन और दर्शन' रचनाकार हैं : 1

(i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी (ii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iii) रामवृक्ष बेनीपुरी (iv) डॉ० सम्पूर्णानन्द

(ग) खड़ी बोली की प्रथम गद्य रचना किसे माना जाता है? 1

(i) चंद छंद बरनन की महिमा (ii) कामायनी

(iii) प्रिय प्रवास (iv) रामचरित मानस

(घ) रामचन्द्र शुक्ल की रचना हैं : 1

(i) साहित्य लोचन (ii) साहित्य सहचर

(iii) त्रिवेणी (iv) आलोचक की आस्था

modelpaper.info

(ङ) 'श्रद्धा-भक्ति' निबन्ध के लेखक हैं- 1

(i) श्यामसुन्दर दास (ii) गुलाबराय

(iii) रामचन्द्र शुक्ल (iv) विद्यानिवास मिश्र

2. (क) 'हिमालय' निम्न में से किसकी काव्य कृति है? 1

(i) सुमित्रानन्दन पन्त (ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iii) महादेवी वर्मा (iv) जय शंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित में से अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा लिखित महाकाव्यात्मक रचना है- 1

(i) रुक्मिणी परिचय (ii) रस कलश

(iii) वैदेही वनवास (iv) अधखिला फूल

(ग) 'अनामिका' के रचनाकार हैं- 1

(i) अज्ञेय (ii) निराला

(iii) महादेवी वर्मा (iv) सुमित्रा नन्दन पन्त

(घ) निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ भक्तिकाल का है? 1

(i) पृथ्वीराज रासो (ii) विनय पत्रिका

(iii) साकेत (iv) कामायनी

(ङ) 'प्रगतिवादी काव्यधारा' के प्रमुख कवि हैं- 1

(i) केदारनाथ अग्रवाल (ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास (iv) चन्दबरदायी

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2+2+2=10

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रचाना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो

modelpaper.info

अंततः हमारी आजादी को बनाए रखने में सहायक हैं। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी। अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) समृद्धि से हमें क्या लाभ मिलता है?

(घ) प्रकृति का कोई काम पूर्ण मनोयोग से होता है, इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) भौतिक समृद्धि के विषय में लेखक की लेखक की क्या मान्यता है?

अथवा

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथिवी हो और मनुष्य न हों, तो राष्ट्र कल्पना असंभव है। पृथिवी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थो में पृथिवी का पुत्र है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) लेखक के अनुसार राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है?

(घ) पृथिवी और जन मिलकर किसकी रचना करते हैं?

(ङ) पृथिवी किसके कारण मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 2+2+2+2+2=10

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत वसना तो न तू सुन्दरी को।।
जो थोड़ी-सी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होठों की औ कमल मुख की म्लानताएँ मिटाना ।।
कोई क्लान्ता कृषक ललना खेत में जो दिखावे ।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना ।।

modelpaper.info

जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसेला ।

छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को ।।

(क) उपर्युक्त कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) उपर्युक्त पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है ?

(घ) 'कृषक ललना' और 'भूतांगना' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) नायिका पवन से लज्जाशीला महिला के प्रति कैसा आचरण अपनाने के लिए कहती है ?

अथवा

समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति का यह पतवार;

आज से यह जीवन उत्सर्ग इसी पद तल में विगत विकार ।

बनो संसृति के मूल रहस्य तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;

विश्वभर सौरभ से भर जाय सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) यह पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है?

(घ) 'समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति' में कौन-सा अलंकार है?

(ङ) 'संसृति' तथा 'उत्सर्ग' शब्दों का अर्थ लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

modelpaper.info

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: 5

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'द्वितीय सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'षष्ठ सर्ग' (नमक-सत्याग्रह) कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसकी चरित्रिक विशेषताएँ बताइये।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'तृतीय सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

modelpaper.info

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के किसी मार्मिक प्रसंग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: 2+5=7

अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । साधारणस्थितिकोऽपि जनः महतोत्साहेन मनस्वितया पौरुषेण च असाधारणमपि कार्यं कर्तुं क्षमः इत्यदर्शयत् मनीषिमूर्धन्यः मालवीयः ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश। सा शकुनिसङ्घे अवलोकयन्ति मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यमन्यत् । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्घस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: 2+5=7

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतुः
न खलु बहिरुपाधीन् प्रीतयः संश्रयन्ते ।
विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं
द्रवति च हिमरश्मावुद्गतेः चन्द्रकान्तः ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हसि ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए 1+1= 2

(क) भीगी बिल्ली बनना

(ख) हाथ पीले करना

modelpaper.info

(ग) दूध का दूध और पानी का पानी करना

(घ) आँख का अंधा नाम नयनसुख

10.(क) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

जनसंख्या में वृद्धि किसी भी देश के विकास में बाधा बनती है। भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या चिंता का विषय बन गई है क्योंकि हम प्रत्येक वर्ष १ करोड़ से अधिक व्यक्ति अपने पहले से ही बहुत बड़ी जनसंख्या में जोड़ देते हैं। बढ़ती हुई जनसंख्या ने स्थान की समस्या उत्पन्न कर दी है। आवास की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। सड़कों पर भीड़ रहती है और ट्रैफिक जाम रहते हैं। इसलिए जनसंख्या को देश का साधन एवं साध्य दोनों माना जाता है लेकिन जरूरत से ज्यादा जनसंख्या किसी भी देश के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विकास में रुकावट पैदा करती है। आज हमारे देश भारत में लगातार बढ़ रही जनसंख्या एक विकराल समस्या बन चुकी है।

जनसंख्या वृद्धि की वजह से आज देश विकास के मामले में अन्य देशों की तुलना में काफी पीछे हो रहा है। भारत में जनसंख्या बढ़ने से गरीबी, बेरोजगारी की समस्या पैदा हो रही है। व्यापार, विकास और विस्तार गतिविधियां जरूरत से ज्यादा धीमी होती जा रही हैं। आर्थिक मंदी आ रही है। यही नहीं वनस्पतियां, जल संसाधन समेत तमाम प्राकृतिक संसाधनों की भी कमी हो रही है, और तो और खाद्य उत्पादन और वितरण भी जनसंख्या के मुकाबले नाकाम साबित हो रहा है। वहीं बढ़ती महंगाई भी जनसंख्या वृद्धि के सबसे मुख्य कारणों में से एक है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण ही आज लोगों को हर जगह घंटों लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, अस्पतालों, धार्मिक, सामाजिक समारोह पर इतनी भीड़ रहती है कि कई बार पैर रखने तक की जगह नहीं मिलती है। भारत में बढ़ती जनसंख्या का दुष्परिणाम यह है कि आज भारत में गरीबी रेखा के नीचे वालों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। पापी पेट की आग बुझाने के लिए भोजन नहीं, गर्मी में लू और सर्दी में हड्डियां चूर कर देने वाली शीत लहरों (हवाओं) से बचने के लिए वस्त्र नहीं, खुले नील-गगन के नीचे फैली हुई भूमि ही उनका आवास स्थल है।

प्रश्न-i लोगों को हर जगह घंटों लाइनों में क्यों खड़ा होना पड़ रहा है? 1

प्रश्न-ii वन, जंगल, वनस्पतियां, जल-संसाधन आदि कैसे संसाधन हैं? 1

प्रश्न-iii प्रत्येक वर्ष हम लगभग कितनी जनसंख्या वृद्धि करते हैं? 1

प्रश्न-iv उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा ? 1

प्रश्न-v जनसँख्या वृद्धि से होने वाली समस्याएँ क्या हैं? 1

अथवा

आज की नारी संचार प्रौद्योगिकी, सेना, वायुसेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विज्ञान वगैरह के क्षेत्र में न जाने किन-किन भूमिकाओं में कामयाबी के शिखर छू रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहाँ आज की महिलाओं ने अपनी छाप न छोड़ी हो। कह सकते हैं कि आधी नहीं, पूरी दुनिया उनकी है। सारा आकाश हमारा है। पर क्या सही मायनों में इस आज़ादी की आँच हमारे सुदूर गाँवों, कस्बों या

modelpaper.info

दूरदराज के छोटे-छोटे कस्बों में भी उतनी ही धमक से पहुँच पा रही है? क्या एक आज़ाद, स्वायत्त मनुष्य की तरह अपना फैसला खुद लेकर मज़बूती से आगे बढ़ने की हिम्मत है उसमें?

बेशक समाज बदल रहा है मगर यथार्थ की परतें कितनी बहुआयामी और जटिल हैं जिन्हें भेदकर अंदरूनी सच्चाई तक पहुँच पाना आसान नहीं। आज के इस रंगीन समय में नई बढ़ती चुनौतियों से टकराती स्त्री की क्रांतिकारी आवाजें हम सबको सुनाई दे रही हैं, मगर यही कमाऊ स्त्री जब समान अधिकार और परिवार में लोकतंत्र की अनिवार्यता पर बहस करती या सही मायनों में लोकतंत्र लाना चाहती है तो वहाँ इसकी राह में तमाम धर्म, भारतीय संस्कृति, समर्पण, सहनशीलता, नैतिकता जैसे सामंती मूल्यों की पगबाधाएँ खड़ी की जाती हैं। नारी की सच्ची स्वाधीनता का अहसास तभी हो पाएगा जब वह आज़ाद मनुष्य की तरह भीतरी आज़ादी को महसूस करने की स्थितियों में होगी।

प्रश्न-i नारी की वास्तविक आज़ादी कब होगी? 1

प्रश्न-ii नारी जब परिवार में लोकतंत्र लाना चाहती है तो वह कमज़ोर क्यों पड़ जाती है? 1

प्रश्न-iii दूरदराज़ के क्षेत्रों में लेखक को महिलाओं की आज़ादी पर संदेह क्यों लगता है ? 1

प्रश्न-iv आज की नारी किन-किन भूमिकाओं में कामयाबी के शिखर छू रही है? 1

प्रश्न-v उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा ? 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) द्रव - द्रव्य : 1

(अ) तरल पदार्थ और धन
(ब) धन और धान्य
(स) दान और देने योग्य
(द) दवा और दया

(ii) हरि-हर : 1

(अ) विष्णु और शंकर (ब) शिव और पार्वती
(स) भगवान और भक्त (द) महादेव और हरण किया गया

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: 1+1=2

(i) तात (ii) तीर (iii) कुल

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द का चयन करके लिखिए: 1+1=2

(i) जिसके भीतर की हवा का तापमान सम स्थिति में रखा गया हो:

modelpaper.info

(अ) परितापी (ब) अन्तःतापी

(स) समततापी (द) प्रतापी

(ii) पीने की इच्छा रखने वालाः

(अ) प्यासा (ब) तृषित

(स) पिपासा (द) पिपासु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिएः 1+1=2

(i) आपकी पुत्री पद्मा बहुत बुद्धिमान् है।

(ii) कृपया करके मेरे घर पधारिए।

(iii) तुम्हें मन लगाकर पढ़ाई करना चाहिए।

(iv) कानपुर एक ओद्योगिक नगर है।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । 1+1=2

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13. किसी बैंक के प्रबन्धक को कोई व्यवसाय करने हेत ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।2+4=6

अथवा

अपने विद्यालय में कम्प्यूटर खराब होने की समस्या के निराकरण हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिएः 2+7=9

(i) भारत में प्रजातन्त्र का भविष्य

(ii) स्वच्छ भारत अभियान

(iii) बढ़ती जनसंख्याः रोजगार और समस्या

(iv) जलवायु परिवर्तन के कारण और परिणाम

(v) भारत में कृषि क्रान्ति

. . . .

modelpaper.info